TECHE UDINE

MANOSCRITTI

FONDO PRINCIPALE

Manoscritto n. **P_MSS_4343**

Nel Fondo Principale sono confluiti la maggior parte dei lasciti manoscritti pervenuti alla Biblioteca Civica «Vincenzo Joppi» nel corso del tempo: si tratta perciò di un fondo composito nel quale è possibile trovare manoscritti di argomento liturgico, scientifico, giuridico, botanico e altro.

Collocazione:

Biblioteca Civica "Vincenzo Joppi", Udine
https://www.techeudine.it/fondo-principale
https://www.sbhu.it/

॥६०॥ अथ वांकचूलनामा राजानी दिक्षा लीती तेहनौ॥ संबंध लिखीयै छै॥ अत्र बेटमांही पाडलीपुर
नामानगर हुतौ। तिणंमनामदत्त नामा ब्रामण वसइ। तेहनी असती नामा भारा। तेहनौ बेटौ जसोहर।
चौमासे एक दीन कन्यांमु। रातीन सुतौ हुतौ। कोइक आगतौ कोइक सुतौ एक सुपनु दीठौ। कलंकौणा
दत्त सुपनु कहौ दीठौ। तासांजसोहर नामा मातंग हुतौ। तिण पासि आवौ। दिनाथ आवि मेजमसुतो हुतौ
वताए। सुपनु दीठौ। बापमदीठौ। तिवार जसोहर बोल्यौ। येनवमास पूरण होणदेवौ। पाछथा कौ पुत्र
हवसी। तेहनौ नाम कलंकवौ। कवर नाम देस्यौ। एवौ वारा नें नवमास संपूर्ण थया। पुत्र जनम्यौ। तदा
१२ मै दीवसी सुभ मुहुर्त्तने। कलंकवौ नामौ। कवार नामदीयौ। अब मोटौ थयौ। पण ते सौवै। अहरमी
अहरमनौ कथणहारौ। अहरमनौ देखणहार। अहरमनौ बोलवौ चतौ थयौ। पायक रीने। अजीव का
करतौ वाचरसी। पण ते बौव। कारौ धाघण हसी। रुदर करीने। रुदर प्रणामा। स्पहासा कघण। अण
बीचारा कामनौ वरणहार। जाणतौ थयौ। कहहु तौ नवी। होणवौ। अजाणतौ थयौ। कहहु जाणु तु क
कदोख कौ कहसुननस्टाव है। अणांकत्यान। कहसुन तौ कहछ। सुणौ सौतौ कहमतौ नहीं सुणे। अ
णसुणौ। न कहदेसी। मैतो एस सुणो छं। हुं ओणछु। सोचछ। बनेकदोछ। क्रोध मान। माया। लोभनवी म। ता
कोरप णमी। अधारा पापनौ सेवणहार। एहौ कलंकौ राजा। अतिकरमा। पाछ। २४। वारसहु वायाक
एक अधमी नामाहावता। होतौ। तेहनौ आसेणके प्रावसा। तदा देवता आवसा। कसामुनहु कमकरी
ते दीरा। पा ध्यांणकौ घोडो करी देवसा। ताणउपरी कलंकौ चढी चालासी। तिधारयाछ। कलंकौ राजा
हु सट प्रणाम करीने। लोको नदुखदाइ हसी। आकराकर लगावसा। अनेकबलतुनस्वसा। सर्व
जावानं दुखदोसी। सरवलोको नं। गृहौ। रनके मागासी। धनं लेसी। नववसतु राधी संपति। धनधांन करा 1
नदुष्याकरसी। कायकी कोणमानसी नही। काकाकारी जनकहमें तीन था काय। नही काहान मं हजे
कोधोव। ताध्यारा। स्यमरा। मोडासाजासा। बांमण जोगी जीदानी साथ। बांटा लेवसी। चामका
दांमचलासी। हरणे। लोनु रूपांदोसा लालायनाबछ दहसी। तदा एक दायसंदन बाप। पाकपुरा

नामानगनबाव। २। अलगार साधु। मासमो दोपाउ। तपसी सावता आतमा नी धणी। पाचे सुमत
सुमता। तीन गुपते गुपता। सील अत गुणे अत। नीरदोष वंता। ग्याचरी करतो थको। पुमाकलापुर
नगर कु मध्ये। सागनी। कलतापथ का देखतो। आग कलकीरा राजा। सरवसा धा। ग्यान रो कीन
वटलेवछ। कुराल। सवद होइर होव। सदा ते अणगार। कलकीरा राजा नै इम कहे तो हु
वो। हि राजा द्र। एअगर बात करेन हो। होवे नहीं। हसीनहीं। चकवत बलदेव। वासु
देव। मकता। कराजा। अनेरा राजा। अमे काजा राव र दुता। पणा। अणगार बात। आतमा
नाधणी कन। सोख्य नो साग किणहीन ही लीधो। तेसणी तुम पण करम भोगवा। तेसणी तुझ
नएको भयोग नहीं। इम कहतो थको। कलकीन। कोध उपनु। पुरसे उपज्ञा गकार बोलाए
गो। तिणी अवसर नबाथे। देवतो नाराजा। सधकइ पहला देवलो कनो धणी नो जाइ। आसणकं
पो। लीवार अवधि ग्यान वारानयो यो। जबुदीप। सरथे भरत बाष। पाकलापुरना मनगर
बीघ। साधता। आतमा ना साधान। कलकी उपकंगा कर वाला गो व। तदा। कोथ उपनु। तदा इंद्र
आइन। इम कहतो हुवो। हे कलका। दीणा पुनी ना धणी। काला बोला। अमा वस ना जाया। तुहा
तीथि ना जाया। एहवा अणगार। साधु पासा। सीख्यांनो साग तु मांगवा। तेसणी पा तुनै जुग
तीनहीं। इंद्र जी काहा पणी नहीं मानी। तीवार इंद्र महाराजी। कोपाकु वाएकाहे चकु माइ चे। अ
काले चेव। जीवामावो। बिवारो इसा सी जीतवरहत कीधा। आव देव पणामा करानं। मरा।
इनरका उपजसी। इणपंचमा आरा नै बाष। कलकी नामा राजा। एहो हुसी। ५५। तथा। हा। ब
रसनो आउखो हुसी। पांचमा आरा ना २००० बरस थाकता रहसी। तेदी कलकी राजा उपजे
सी। सो षा। बेतक जपा सुजना। पांचमा उदेसी। तेहना चुरणी दीन्ह नवा वर्षा होवे। पाव गाना बव
इसो तहेत। इति कलकी राजाकी अधिकार समाप्त। समाप्त। ह। इ इ कोमी न साव बुधि। कालियत।

तेतु

१